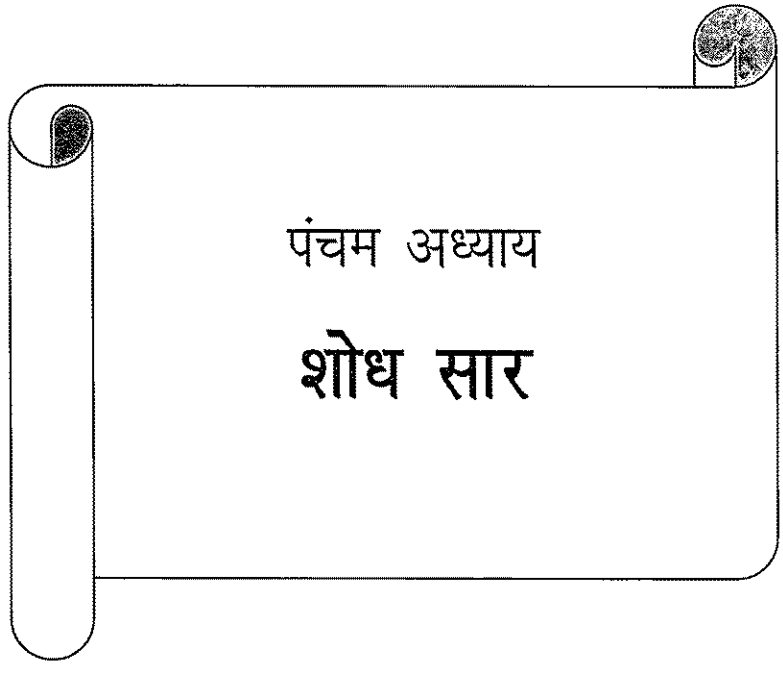

पंचम अध्याय

शोध सार

अध्याय–पंचम

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 भूमिका–

सारांश किसी भी अध्याय को संक्षिप्त करने का प्रयास होता है जिसके द्वारा अध्याय को संक्षिप्त व सरल रूप में समझा जा सके। इस अध्याय में लघुशोध का सारांश एवं अध्याय चार में दिये गये प्रदत्तों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया गया है। साथ ही अध्ययन के आगे संबंधित अध्ययन को विभिन्न क्षेत्रों में करने के लिये सुझाव भी देने का प्रयास किया गया है।

अभिवृत्ति किसी वस्तु के प्रति एक विशिष्ट भावना है अभिवृत्ति में इस वस्तु के प्रति चाहे वह व्यक्ति विचार या पदार्थ कुछ भी हो उससे जुड़ी हुई परिस्थितियों में एक निश्चित प्रकार का व्यवहार करने की प्रवृत्ति निहित होती है यह आंशिक रूप से तार्किक और आंशिक रूप से संवेगात्मक होती है। तथा अभिवृत्ति की एक प्रमुख विशेषता यह है कि अभिवृत्ति किसी भी व्यक्ति में जन्मजात न होकर उपार्जित होती है। व्यक्ति अनुभव के द्वारा वातावरण से इन्हें सिखता है।

5.2 समस्या कथन–

कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों में विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का अध्ययन।

5.3 शोध के उद्देश्य–

1. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों में विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति का मापन करना।
2. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि को ज्ञात करना।
3. कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों में विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना।

5.4 शोध परिकल्पना–

कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच सकारात्मक सार्थक सहसंबंध है।

5.5 शोध के मुख्य चर–

1. विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति।
2. शैक्षिक उपलब्धि

5.6 शोध समस्या की सीमायें–

1. शोध में केवल दो शासकीय विद्यालयों को सम्मिलित किया गया है जो पांढुर्णा तहसील में स्थित है।
2. शोध में केवल कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।
3. व्यक्तिगत रूप से विद्यार्थियों के मानसिक पक्ष की दृष्टि से विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति का आंकलन किया गया है।
4. शैक्षिक उपलब्धि उनके 8वीं कक्षा के शैक्षिक रिकार्ड द्वारा ज्ञात की गई।

5.7 शोध प्रतिदर्श–

वर्तमान शोध अध्ययन के लिये पांढुर्णा तहसील के दो शासकीय विद्यालयों को यादृच्छिक विधि से चुना गया। जिसमें एक ग्रामीण तथा एक शहरी विद्यालय है। जिसमें ग्रामीण विद्यालय के कुल 40 विद्यार्थी तथा शहरी विद्यालय के कुल 50 विद्यार्थियों को Non- probability judgmental विधि से चुना गया। इन दो विद्यालयों में से कुल 90 विद्यार्थियों का चयन शोध अध्ययन में किया गया है।

5.8 शोध में प्रयुक्त उपकरण–

शोधकर्ता द्वारा वर्तमान शोध अध्ययन के लिए "Rao's attitude inventory" का उपयोग किया गया।

5.9 सांख्यिकी प्रविधि–

वर्तमान अध्ययन में सहसंबंध का अध्ययन करने के लिये पीयर्सन प्रोडक्ट मोमेण्ट विधि का प्रयोग किया गया है।

5.10 अध्ययन के मुख्य परिणाम–

कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा उनकी उपलब्धि के बीच सकारात्मक सार्थक सहसंबंध पाया गया।

5.11 निष्कर्ष–

चूँकि उपरोक्त अध्ययन में केवल दो शासकीय विद्यालयों को ही सम्मिलित किया गया, अतः इन विद्यालयों के विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति में समानता पायी गयी।

इस प्रकार कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा उनकी शैक्षिक उपलब्धि के बीच सार्थक सहसंबंध पाया गया। अर्थात जो विद्यार्थी विद्यालय के प्रति उच्च अभिवृत्ति रखते है उनकी उपलब्धि भी उच्च होती है। तथा निम्न अभिवृत्ति रखने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि भी निम्न होती है। इसका कारण यह हो सकता है कि शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अभिवृत्ति पर विद्यालय के शिक्षकों, सहपाठियों का प्रत्येक्ष प्रभाव होता है। अतः उनके शैक्षिक उपलब्धि पर भी प्रत्येक्ष प्रभाव पड़ता है।

अतः प्रस्तुत अध्ययन में विद्यार्थियों की अभिवृत्ति तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच उच्च धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

427

5.12 भावी शोध हेतु सुझाव–

प्रस्तुत अध्ययन में केवल छात्रों की अभिवृत्ति एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है। परन्तु यह आवश्यक नहीं है कि शैक्षिक उपलब्धि केवल विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति से ही प्रभावित होती है, कई अन्य ऐसे कारक हैं जो शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन केवल शासकीय विद्यालय में ही किया है, विभिन्न विद्यालयों का विद्यालयीन वातावरण, शैक्षिक सुविधायें, शिक्षक की शैक्षिक योग्यताएँ अलग–अलग होती हैं जो विद्यार्थियों की शिक्षा में अभिवृत्ति के विकास के लिये आवश्यक है। यदि हम शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करते तो अंतर प्राप्त हो सकता है।

अतः प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर निम्न सुझाव भविष्य में शोधकार्य के लिये दिये जा सकते हैं–

1. शिक्षकों की व्यावसायिक अभिवृत्ति का विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति पर प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है।
2. विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा उनकी शैक्षिक रूचि में संबंध का अध्ययन किया जा सकता है।
3. प्रारंभिक स्तर पर विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन किया जा सकता है।
4. उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन किया जा सकता है।
5. विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा उनके सामाजिक आर्थिक परिवेश तथा उनकी कक्षा के वातावरण के मध्य संबंध का अध्ययन किया जा सकता है।
6. विद्यार्थियों में विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा शिक्षक के व्यवहार के मध्य सहसंबंध का अध्ययन किया जा सकता है।
7. विद्यार्थियों की विद्यालय के प्रति अभिवृत्ति तथा आत्म संप्रत्यय के बीच सहसंबंध का अध्ययन किया जा सकता है।
8. शासकीय तथा अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति तथा उनकी उपलब्धि के बीच सहसंबंध का अध्ययन किया सकता है।